बुधवार
15 जून 2022

पृष्ठ 4

सुबह के समय चलाएं साइकिल, यह एक अच्छा व्यायाम है

पृष्ठ 5

हाउसफुल फ्रेंचाइजी में भी अक्षय को रिप्लेस करेंगे कार्तिक आर्यन ?

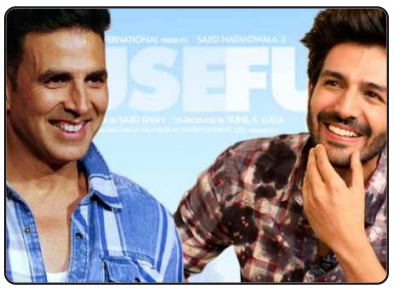

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 132
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कलाकार प्रकृति का प्रेमी है अतः वह उसका दास भी है और स्वामी भी।

– रवींद्रनाथ ठाकुर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

विपक्ष के सवालों से सरकार असहज, मंत्री लाजवाब

विशेष संवाददाता

देहरादून। बजट सत्र के दूसरे दिन विपक्ष के तीखे सवालों का जवाब सरकार के मंत्री ठीक से नहीं दे सके। कई बार प्रश्नकाल के दौरान ऐसी स्थितियों का सामना सरकार को करना पड़ा जब मंत्री असहज दिखे और उन्हें तैयारी के साथ सदन में आने की हिदायत दी गई।

❑कांग्रेस ने उठाया चारधाम व्यवस्थाओं का मुद्दा
❑परिसंपत्ति बंटवारे व परिवहन का मुद्दा उठाया

कांग्रेस ने आज सदन में चारधाम यात्रा में फैली अव्यवस्थाओं का मुद्दा उठाते हुए नियम 310 के तहत चर्चा कराने की मांग की लेकिन पीठ ने इसे ठुकरा दिया और नियम 58 के तहत चर्चा कराने की स्वीकृति दे दी गई। चकराता विधायक और पूर्व नेता विपक्ष प्रीतम सिंह द्वारा यूपी और उत्तराखंड की परिसंपत्तियों के बंटवारे का मुद्दा उठाते हुए पूछा गया कि क्या सभी परिसंपत्तियों का बंटवारा हो चुका है अगर नहीं तो सरकार बताएं कितनी परिसंपत्तियों का बटवारा हो गया है और कितनी परिसंपत्तियों का बंटवारा अभी बाकी है। जिसका जवाब संसदीय कार्य मंत्री नहीं दे सके। उन्होंने बताया कि कुल 14 विभागों की परिसंपत्तियों का बंटवारा हुआ था जिसमें से 8 विभागों की परिसंपत्तियों का बंटवारा ही हो पाया है शेष छह का बटवारा बाकी है। उल्लेखनीय है कि कुल 70 परिसंपत्तियों का बंटवारा होना था। इसमें से कितनी का हुआ व कितने का नहीं संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल इसका जवाब नहीं दे सके।

ठीक उसी तरह परिवहन मंत्री चंदन राम दास भी विभाग द्वारा खरीदी गई एसी बसों के बारे में इस सवाल का जवाब नहीं दे सके कि यह कितने में खरीदी गई थी। 19 साल से घाटे में चल रहे परिवहन विभाग से जुड़े सवालों का ठीक से जवाब नहीं दिए जाने पर कांग्रेस विधायकों ने जमकर हंगामा किया और पीठ से निवेदन किया कि वह मंत्रियों से कहे कि वह पूरी तैयारी के साथ सदन में आए। सदन में कांग्रेस ने आज सफाई कर्मियों का भी मुद्दा उठाया। प्रश्नकाल में हालांकि सभी तारांकित सवालों को लिया गया। चार धाम यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर लंच के बाद चर्चा होनी है। चारों धामों में अब तक पहुंची भारी भीड़ और 200 से अधिक लोगों की मौत के मुद्दे पर कांग्रेस हमलावर है। इसके साथ ही बीते कल सरकार द्वारा पेश किए गए 65571 करोड़ के बजट को लेकर विपक्ष इसे निराशाजनक बता रहा है तथा उसका कहना है कि बजट में गैरसैंण, युवाओं व बेरोजगारों के लिए कुछ नहीं है। जबकि सरकार इसे सर्वस्पर्शी बजट बता रही है और डबल इंजन सरकार के बजट में योजनाओं में डबल बजट के प्रावधान की बात कह रही है।

गृह मंत्री का फर्जी लैटरपेड सोशल मीडिया में वायरल

❑मुख्यमंत्री को नूपुर व अजय को जेड प्लस सुरक्षा देने के लिए लिखा
❑एसटीएफ ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की

संवाददाता

देहरादून। गृह मंत्री भारत सरकार के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक फर्जी लैटर पैड सोशल मीडिया में वायरल होने से प्रदेश में हलचल मच गयी। इसमें नूपुर शर्मा व अजय गुप्ता को जेडप्लस श्रेणी की सुरक्षा देने के बारे में लिखा गया है। सोशल मीडिया में इसके वायरल होने से प्रदेश की एसटीएफ भी हरकत मे आयी और मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आज प्रातः से ही गृह मंत्री अमित शाह का एक फर्जी लैटर हैड सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। जिसमें साफ शब्दो में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सम्बोधित कर लिखा है। पत्र में भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के कार्यो की तारीफ की गयी तथा उसको आरएसएस व हिन्दू धर्म के लिए अच्छा काम करना बताया गया है। पत्र मे यह भी कहा गया है कि नूपुर शर्मा व अजय गुप्ता को तत्काल प्रभाव से जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी जाये तथा उत्तराखण्ड में रह रहे उनके परिजनों को भी जेड प्लस सुरक्षा दी जाये। गृह मंत्री अमित शाह के पत्र के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उत्तराखण्ड शासन व प्रशासन मे हडकम्प मच गया और अधिकारियो ने इसको फर्जी करार दिया। वहीं एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि उत्तराखंड एसटीएफ उत्तराखण्ड मे सोशल मीडिया इंटरवेशंन सैल (एसएमआईसी) कार्यरत है। जिसका उद्देश्य सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक एंव गलत सूचना प्रसारित होने पर तत्काल प्रभाव से विश्लेषण कर वैधानिक एंव उचित कार्यवाही करना साथ मे इस सैल द्वारा ऐसी किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट को अतिशीघ्र उस प्लेट फार्म से हटाना जिससे की समाज मे किसी भी प्रकार की कानून व्यावस्था की समस्या उत्पन्न न हो

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

सुरक्षाबलों ने बैंक मैनेजर विजय की हत्या में शामिल आतंकी समेत दो को किया ढेर

शोपियां। सुरक्षाबलों ने जम्मू–कश्मीर के शोपियां में बुधवार तड़के मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया। मारा गया एक आतंकी हाल में कुलगाम में एक बैंक मैनेजर विजय कुमार की हत्या में शामिल था। इसकी जानकारी कश्मीर पुलिस की ओर से दी गई है। कश्मीर जोन पुलिस की ओर से ट्वीट किया गया, मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान शोपियां के जान मोहम्मद लोन के रूप में हुई है। अन्य आतंकी अपराधों के अलावा वह हाल ही में कुलगाम जिले में २ जून को बैंक मैनेजर विजय कुमार की हत्या में शामिल था। बैंक मैनेजर विजय कुमार राजस्थान के हनुमानगढ़ के रहने वाले थे और कुलगाम में कार्यरत थे। उनकी दिनदहाड़े आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। बहरहाल, जम्मू–कश्मीर पुलिस ने बुधवार को शोपियां के कांजीउलर इलाके में हुई मुठभेड़ में दो आतंकियों को ढेर कर दिया। कश्मीर ज़ोन पुलिस ने ट्वीट किया, आतंकवादियों का संबंध प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) से था। मुठभेड़ के इस ऑपरेशन को जम्मू–कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। इससे पहले श्रीनगर के बेमिना में सोमवार देर रात सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में दो आतंकियों को मार गिराया। इनकी पहचान पाकिस्तानी कमांडर अब्दुल्ला गौजरी और लश्कर के स्थानीय कमांडर आदिल हुसैन मीर के तौर पर हुई।

डरा रहा कोरोनाः देशभर में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 8822 नए मामले सामने आए, 15 और लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के पिछले २४ घंटे में ८८२२ नए मामले सामने आए हैं। वहीं १५ और लोगों की मौत भी कोविड इस दौरान हुई। लगातार दो दिन ८ हजार से अधिक नए केस आने के बाद कल के अपडेट में कुछ कमी आई थी। हालांकि, आज एक बार फिर नए केस का आंकड़ा ६ हजार के करीब पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह जारी अपडेट के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस के ८८२२ नए मामले सामने आए हैं। वहीं इस दौरान संक्रमण के चलते १५ लोगों की मौत हो गई। वहीं इस दौरान संक्रमण के चलते १५ लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही बीते २४ घंटे में ५७१८ मरीज ठीक हुए हैं।

भारत में कोरोना वायरस के नए मामलों ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। ऐसे में देश में महामारी की चौथी लहर की आशंका जताई जा रही है। वहीं देश के कई हिस्सों से सामने आ रहे ओमीक्रॉन के सब वेरिएंट बीए.४ और बीए.५ के मामलों ने चिंता बढ़ा दी है।

देश में मौजूदा एक्टिव केस की संख्या ५३,६३७ है, जो कुल मामलों का ०.१२ प्रतिशत है। वहीं डेली पॉजिटिविटी रेट २ प्रतिशत है, जबकि डेथ रेट १.२१ प्रतिशत बना हुआ है। एक दिन में सामने आए नए मरीजों के बाद देश में अब तक कोरोना की चपेट में आए लोगों की संख्या बढ़कर ४,३२,४५,५१७ पहुंच गई। वहीं १५ मरीजों की मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा भी ५,२४,७६२ हो गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार देश में कोविड से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर अब ५ लाख २४ हजार ७६२ हो गई है। वहीं एक्टिव केस भी ३०८६ की वृद्धि हुई है। देश में सक्रिय मामले अब बढ़कर ५३,६३७ हो गए हैं। वहीं दैनिक संक्रमण दर २ प्रतिशत हो गया है। इस बीच ५७१८ लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

रोजगार का अस्थाई जुगाड़

केंद्र सरकार द्वारा बीते कल जो अग्निपथ योजना लांच की है उसे लेकर सत्ता में बैठे लोग भले ही उसके हजारों फायदे गिना रहे हो लेकिन सही मायने में यह रोजगार का एक अस्थाई जुगाड़ है। 17 साल का युवा अगर अग्निवीर सेना का हिस्सा बन जाता है तो उसके सेवाकाल के 4 साल का जीवन तो सुखद हो जाएगा लेकिन सेवा समाप्ति के बाद तक अपने जीवन काल के सबसे ऊर्जावान 4 साल गंवा चुकेगा और उसके हाथ सिर्फ 10-11 लाख की पूंजी शेष रह जाएगी जो उसे सेवानिवृत्ति पैकेज के रूप में मिलेगी। इस योजना में जिन युवाओं को स्थाई कैडर मिल पाएगा सिर्फ उन्हें ही रोजगार मिल सकेगा। एक और अहम सवाल यह है कि सैन्य ट्रेनिंग के बाद सेवानिवृत्त यह युवा बेरोजगार होने पर अपनी सैन्य दीक्षा का अगर दुरुपयोग करने लगे तो यह समाज के लिए किसी मिस गाइड मिसाइल से कम घातक नहीं होगा। इस 4 साल के रोजगार के चक्कर में उनसे शिक्षा व रोजगार के अन्य अवसर भी उनके हाथों से फिसल जाएंगे सरकार ने यह तो सोच लिया कि उसके पास युवाओं की एक ट्रेंड फोर्स अत्यधिक कम खर्च पर तैयार हो जाएगी जो किसी भी वक्त देश से बाहर और अंदर आपातकाल में काम आएगी लेकिन इन युवाओं का बाकी जीवन भी बेहतर बना रहे इस पर नहीं सोचा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र की भाजपा सरकार बेरोजगारों को नौकरियां देने के मुद्दे पर फिसड्डी साबित हुई है। भले ही विभिन्न क्षेत्रों में लाखों पद खाली पड़े हैं लेकिन सत्ता में भाजपा के आने के बाद इन्हें भरने के प्रयास नहीं किए गए हैं। सरकार कौशल विकास और मेक इन इंडिया तथा स्वरोजगार की बातें तो करती रही है लेकिन आज देश भर में युवाओं की एक फौज खड़ी हो गई है जो बेरोजगार है। गाहे-बगाहे अगर भर्तियां हुई भी तो उनके परिणाम सालों लटके रहे या फिर उनमें धांधली के कारण उन्हें रद्द किया जाता रहा है, सेना में बीते 2 सालों से भर्तियां नहीं हुई है। जिन्हें लेकर युवा आंदोलित है। रेलवे के परीक्षा परिणाम को लेकर युवाओं ने बीते दिनों आंदोलन किया था। सत्ता में बैठे लोग पकोड़ा तलना और बेचना भी रोजगार है जैसी बातें कहकर युवा बेरोजगारों के जख्मों पर नमक छिड़कते रहे हैं। 2024 में अब लोकसभा चुनाव होना है नरेंद्र मोदी अपना 8 साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं अब उन्होंने आगामी डेढ़ साल में 10 लाख बेरोजगारों को नौकरी देने की बात ही नहीं की है बल्कि सभी विभागों को जहां भी पद खाली हैं भर्ती करने के निर्देश दिए हैं। बेरोजगारी के मुद्दे पर युवाओं में भारी आक्रोश है यह भाजपा और उसके नेता अच्छी तरह जानते हैं यही कारण है कि इस आक्रोश और गुस्से के दमन के लिए 10 लाख बेरोजगारों को रोजगार देने की बात हो रही है तथा अग्निपथ योजना भी उसी की एक कड़ी है। अग्नि पथ पर चलने के लिए युवाओं को सरकार से जो आमंत्रण मिला है उसे वह कितनी तवज्जो देते हैं समय ही बताएगा लेकिन हम बस यही कह सकते हैं कि ठाले से बेगारगी भली। कुछ न करने से तो बेहतर ही होगा कि युवा अग्निवीर ही बन जाए? क्या पता यह अग्नि पथ आपके जीवन की दशा व दिशा बदल दे।

गैरसैंण की उपेक्षा से आहत हरीश रावत ने दिया धरना

संवाददाता

भराड़ीसैंण। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आज गैरसैंण विधानसभा में सांकेतिक धरना देकर इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की।

गैरसैंण में सत्र का आयोजन न कराने और बजट में गैरसैण के विकास के लिए कोई प्रावधान न किए जाने से नाराज पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आज विधानसभा पर सांकेतिक धरना दिया। उन्होंने भाजपा पर गैरसैण की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा गैरसैंण नही पहाड़ की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसी तरह पहाड़ की राजधानी पहाड़ में बना तो दी लेकिन भाजपा इस पर सिर्फ राजनीति कर रही है। भाजपा ने गैरसैंण को स्थाई राजधानी घोषित करने की बजाय इसे ग्रीष्मकालीन राजधानी बना दिया और अब ग्रीष्मकाल में भी भाजपा सरकार यहां आने को तैयार नहीं है। विधानसभा का जो बजट सत्र जून में आयोजित किया गया है उसे भी गैरसैंण में आहूत न कर देहरादून में ही आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गैरसैंण में जब विधानसभा भवन बनाया गया है तो सरकार को यहां से काम भी करना चाहिए।

❑जरूरी नहीं बजट में गैरसैण को बजट प्रावधानः चंदन

उन्होंने कहा कि गैरसैंण में कांग्रेस ने ही राजधानी बनाने की नींव रखी सारे निर्माण कार्य कांग्रेस ने कराया भाजपा का इसमें कोई योगदान नहीं है। ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर इसका श्रेय लेने वाली भाजपा यहां आती क्यों नहीं है। अगर गैरसैंण के प्रति भाजपा की कोई भावना जुड़ी होती तो वह यहां अभी बाकी बचे कामों को पूरा कराने के लिए बजट में कुछ तो प्रावधान करती। उधर भाजपा सरकार में मंत्री चंदन राम दास का कहना है कि यह जरूरी नहीं कि हर बजट में गैरसैंण के लिए बजट का प्रावधान हो अगर जरूरत होगी तो मुख्यमंत्री इसके लिए प्रावधान करेंगे यहां सब कुछ तो बन चुका है।

सांसद बन कर भी क्या करेंगे ?

हरिशंकर व्यास

इन दिनों देश की राजनीति राज्यसभा के चुनाव में उलझी है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी इस चिंता में है कि कहीं उसके सांसदों की संख्या एक सौ से कम नहीं हो जाए। उधर देश की सबसे पुरानी पार्टी अपने विधायकों की क्रास वोटिंग को लेकर ऐसी चिंता में है कि उन्हें बाड़ों में ले जाकर बंद कर रही है। छोटी-छोटी प्रादेशिक पार्टियों को अपना जातीय समीकरण साधने या आर्थिक संकट हल करने की चिंता थी, जो उन्होंने काफी हद तक दूर कर ली है। मीडिया समूह चलाने वाले कुछ कारोबारी अपनी प्रतिबद्धता के प्रसाद के रूप में राज्यसभा हासिल करने की उम्मीद में हैं और उसकी जोड़-तोड़ में लगे हैं। कुल मिला कर इस समय देश का सबसे अहम और एकमात्र राजनीतिक विमर्श राज्यसभा का चुनाव है।

परंतु सवाल है कि ये जो नए लोग राज्यसभा में चुन कर जाएंगे वे क्या करेंगे? या जो पहले से उच्च सदन के सदस्य हैं वे क्या कर रहे हैं? राज्यसभा के लिए जो चुना जाएगा उसकी यह एक निजी उपलब्धि होगी। सांसद के रूप में उसकी पहचान होगी। लुटियन जोन में उसे अपनी हैसियत के मुताबिक कोठी या फ्लैट आवंटित होगा, जिसमें मुफ्त की बिजली, पानी और फोन की सुविधा होगी। उसकी गाड़ी पर संसद भवन का पास लगेगा। संसद की कार्यवाही में शामिल होने के लिए भत्ता मिलेगा और अपने चुनाव क्षेत्र में काम करने के लिए भी भत्ता मिलेगा। मुफ्त हवाई और ट्रेन यात्रा की सुविधा मिलेगी। हर सांसद किसी न किसी संसदीय समिति का सदस्य होगा, जिसकी बैठकों के बहाने उसे देश भ्रमण का मौका मिलेगा। एक सांसद के नाते मिलने वाली तमाम सुविधाओं का लाभ उठाने के अलावा इनकी देश या समाज के निर्माण में क्या भूमिका होगी?

सांसद काकाम कानून बनाने के लिए होता है लेकिन क्या सचमुच कोई सांसद कानून बनाने में भूमिका निभाता है? अपवाद के लिए भी एक मिसाल नहीं दी जा सकती है, जिसमें किसी सांसद ने पहल करके कोई कानून बनवाया हो। संसद सत्र के दौरान सप्ताह में एक दिन प्राइवेट मेंबर बिल के लिए मुकर्रर किया गया है, जिस दिन किसी पार्टी के सांसद अपनी समझ और देश-समाज-नागरिकों की जरूरतों के मुताबिक किसी कानून का मसौदा सदन में पेश करता है। कई सांसदों ने प्राइवेट मेंबर बिल के तौर पर बेहद जरूरी मुद्दों पर कानून का मसौदा पेश किया लेकिन ऐसा कोई बिल आगे नहीं बढ़ पाता है। संसद की मंजूरी से कानून सिर्फ उन्हीं विधेयकों पर बनता है, जिन्हें सरकार पेश करती है। सरकार भी जो बिल बनाती है उसमें भी कुछ चुनिंदा अधिकारियों और चुनिंदा मंत्रियों की ही भूमिका होती है। इस बात की भी कोई मिसाल नहीं है कि किसी सरकार ने अपने सांसदों से किसी विधेयक के मसौदे पर चर्चा की हो। सासंदों को किसी विधेयक के बारे में तभी पता चलता है, जब उसे सदन में पेश किया जाता है। विधेयक पेश होने के बाद भी सांसदों की कोई खास भूमिका नहीं होती है।

सत्तारूढ़ दल अपने कुछ सांसदों को उस बिल के समर्थन में बोलने के लिए तैयार करके रखता है। आमतौर पर कुछ चुनिंदा सांसद ही होते हैं, जो लगभग हर बार सरकारी बिल के समर्थन में बोलते हैं। सत्तारूढ़ दल के बाकी सांसदों का काम सिर्फ यह होता है कि जब बिल पास करने के लिए स्पीकर हां या ना पूछें तो वह हां में जवाब दे और जरूरत पड़ने पर हाथ उठाए। इसके अलावा उसकी कोई भूमिका नहीं होती है। दशकों से संसदीय राजनीति कवर करने के अपने अनुभव से मैं कह सकता हूं कि अपवाद के लिए भी सत्तारूढ़ दल के किसी सांसद ने किसी विधेयक पर चर्चा के दौरान सार्थक हस्तक्षेप करते हुए बिल में बदलाव नहीं कराया है। बिल चाहे जैसा भी हो लेकिन सत्तारूढ़ दल का कोई भी सांसद उस पर अपनी निजी समझदारी से नहीं बोलता है। वह अनिवार्य रूप से बिल का समर्थन करता है। वह उस बिल में न एक शब्द जोड़ सकता है और न घटा सकता है। भले बिल कितना ही खराब क्यों न हो और बाद में उसे वापस ही क्यों न लेना पड़े। कृषि कानून इसकी मिसाल हैं। सत्ता पक्ष के सारे सांसदों ने हाथ उठा इसे पास कराया था और जब बिल वापस हुआ तब भी उन्होंने हाथ उठा कर इसकी वापसी का बिल पास कराया। न उन्होंने पहले पूछा कि क्यों ऐसा बिल पास हो रहा है और न बाद में पूछा कि बिल क्यों वापस हो रहा है।

यहीं स्थिति विपक्ष के सांसदों की भी होती है। वे अनिवार्य रूप से सरकार के बिल का विरोध करते हैं लेकिन हाल के दिनों में शायद ही कभी हुआ हो कि विपक्ष के विरोध की वजह से बिल बदल गया है। किसी जमाने में होता था, जब संसद की प्रतिष्ठा थोड़ी बहुत बची थी। तब विपक्ष के विरोध के बाद विधेयकों को संसदीय समितियों में भेजा जाता है। कई बार साझा संसदीय समिति बनती थी। कई बार संयुक्त प्रवर समिति का गठन किया जाता था। इन समितियों की बैठक में पक्ष और विपक्ष के सांसद बिल के एक एक प्रावधान पर बारीकी से विचार करते थे और जरूरी बदलाव किया जाता था। लेकिन अब वह परंपरा भी लगभग समाप्त हो गई है। राज्यसभा को उच्च सदन कहा गया और उसके लिए चुने जाने की न्यूनतम उम्र पांच साल ज्यादा यानी ३० साल रखी गई। इसका मकसद यह था कि उच्च सदन में ज्यादा अनुभवी, ज्यादा पढ़े-लिखे और समझदार लोग बैठेंगे और चुने गए सदन व सरकार की मनमानियों पर अंकुश लगाएंगे। लेकिन पढ़े-लिखे, बौद्धिक, समझदार और अनुभवी नेताओं की बजाय राज्यसभा किसी भी तरह से पार्टी आलाकमान की कृपा हासिल कर लेने वालों की जगह बन गई है।

लोकसभा में सरकार के पास ऐसा प्रचंड बहुमत है कि उसे किसी भी बिल को पास कराने के लिए न विपक्ष के समर्थन की जरूरत है और न उसके विरोध की परवाह करते हुए विधेयक को संसदीय समिति में भेजने की जरूरत है। राज्यसभा में जरूर सरकार के पास बहुमत नहीं है तो वहां दूसरा रास्ता निकाल लिया गया है। इसी रास्ते से तीनों कृषि कानून पास किए गए थे। संसदीय नियम है कि अगर एक भी सांसद किसी विधेयक पर वोटिंग की मांग कर दे तो अनिवार्य रूप से वोटिंग करानी होगी। लेकिन कृषि कानूनों पर समूचा विपक्ष वोटिंग की मांग करता रहा और आसन पर बैठे उप सभापति हरिवंश ने वोटिंग नहीं कराई। उलटे विपक्ष के सांसदों को घसीट कर बाहर निकाल दिया गया और उनके ऊपर ही हंगामा करने का आरोप भी लगाया गया। उसके बाद राज्यसभा में यह नियम बन गया। सामान्य बीमा कंपनियों के विनिवेश का विधेयक भी इसी तरीके से पास कराया गया। सोचें, ऐसी स्थिति में तमाम जतन करके अगर कोई राज्यसभा में चला भी जाता है तो उसका क्या मतलब होगा? उसे निजी तौर पर कुछ सुविधाएं उपलब्ध होंगी और उसका परिवार पीढ़ियों तक कहता रहेगा कि उसके पूर्वज सांसद थे, इसके अलावा उसके सांसद होने का कोई और मतलब नहीं है।

इमं नरो मरुतः सश्चतानु दिवोदासं न पितरं सुदासः।
अविष्टना पैजवनस्य केतं दूणाशं क्षत्रमजरं दुवोयु।

(ऋग्वेद ७-१८-२५)

जो उत्तम दान देने वाला है और जो उत्तम विद्या देने वाला है उससे पिता के समान मिलना चाहिए। उसका सम्मान करना चाहिए।

The one who is the best giver of charity and the one who gives the best education, should be treated like a father. He should be respected.
(Rig Veda 7-18-25)

स्वरोजगार के लिए ४० युवक-युवती पहुचे ब्लाक कैंप में

हल्द्वानी (आरएनएस)। विकासखण्ड हल्द्वानी में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए उद्योग विभाग की ओर से शिविर का आयोजन किया गया। इसमें स्वरोजगार के लिए ४० युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया।

जिला उद्योग केन्द्र हल्द्वानी के महाप्रबन्धक विपिन कुमार ने बताया कि स्वरोजगार शिविर का मुख्य उद्देश्य माइक्रो स्मॉल मीडियम एन्टरप्राइजेज (एमएसएमई) के तहत बेरोजगारों को सरकार की योजनाओं से अवगत कराना है। ताकि अधिक से अधिक बेरोजगार युवक-युवतियां रोजगार से जुड़ सकें। शिविर में युवाओं को प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना व मुख्यमंत्री स्वरोजगार अति सूक्ष्म (नैनो एमएसवाई) योजनाओं की जानकारी दी गई। इच्छुक बेरोजगारों के मौके पर ही फार्म भरवाए गए। पहले से योजनाओं के लिए आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कर उनके आवेदन पत्र ऋण मंजूरी के लिए बैंकों को भेजे गए। जीएम इंडस्ट्री कुमार ने बताया कि अगला स्वरोजगार शिविर १६ जून को जिला उद्योग केन्द्र हल्द्वानी में आयोजित किया जाएगा। खण्ड विकास अधिकारी डॉ.निर्मला जोशी, बैंक ऑफ बड़ौदा के वरिष्ठ प्रबन्धक संजय सिंह खाती, सहायक प्रबन्धक सुभाष चन्द्रा, परियोजना अधिकारी सीके सिंह मौजूद रहे।

रेस्तरां जैसा गार्लिक नान बनाने की विधि

देहरादून (सं)। अगर आप डिनर में दाल मक्खनी के साथ रेस्तरां जैसा गार्लिक नान बनाना चाहते है तो हम आपको ऐसे टिप्स दे रहे हैं जिसकी मदद से आप आसानी से रेस्तरां जैसा गार्लिक नान घर पर ही तैयार कर सकते हैं।

सबसे पहले आपको गार्लिक नान बनाने की सामग्री एकत्र करनी होगी। जिसमें 1 कप मैदा, आधा कप आटा, आधा चम्मच इंस्टेंट ड्राई यीस्ट, 1 चम्मच दही, 1 कप दूध, आधा चम्मच चीनी, 1चम्मच तेल, आधा कप गुनगुना पानी, 2 छोटे चम्मच लहसुन बारीक कटे हुए, 3 चम्मच बारीक कटे धनिया पत्ते, 1 टिकिया बटर परोसने के लिए।

–गार्लिक नान बनाने की विधि–

सबसे पहले एक गहरा बर्तन में इंस्टेंट यीस्ट लें और उसमें चीनी मिला दें. अब आधा कप गुनगुना पानी इसमें डालें. अब इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं. इसके बाद इसे 15 मिनट के ढंककर छोड़ दें। यीस्ट को चेक करने के लिए देखें कि इसमें झाग आया है कि नहीं अगर झाग आ गया है तो यानि वह तैयार हो गया है अगर ऐसा नहीं हुआ तो यानि की आपने इसमें ज्यादा गर्म पानी डाल दिया है. फिर से इस प्रक्रिया को दोहराएं।

अब एक बड़े बर्तन में डेढ़ कप मैदा और आधा कप आटे को मिला लें और इसमें एक चम्मच दही और तेल डालें। इसी समय इसमें नमक भी डालें अब इसमें तैयार यीस्ट को डालें. अब रोटी के आटे की तरह इसे नरम गूंथ लें। अब आटे को तेल से चिकना कर लें और रख दें। अब इसे गीले कपड़े से या बर्तन को प्लास्टिक या ढक्कन से ढंक दें। इस बर्तन को गरम जगह पर कुछ देर के लिए रख दें. अब आप देखें कि आटा फूल गया है कि नहीं। अगर आटा फूल गया है तो अब इसकी लोई बनाएं और फिर कपड़े से ढंककर आधे घंटे लिए अलग रख दें।

एक लोई लें और उसमें आटा लगाकर उसे लंबाई में अंडाकार बेल लें. उस पर थोड़ा सा कटा लहसुन और धनिया पत्ता डालें। फिर उसे बेलने से या हाथ से धीरे धीरे दबाएं। अब नान को पलट लें और पर हाथ से पानी लगाकर गीला कर लें। अब लोहे के तवे को गैस पर गर्म करने के लिए रख दें और जब तवा गरम हो जाए तो गीली सतह की ओर से नान को तवे पर डाल दें। अब तवे के हैंडल को पकड़ कर इसे गैस की आंच के साइड उल्टा कर दें। अब नान को सेंके। एक मिनट तक ऐसा करने के बाद अब नान को कलछी की मदद से निकाल लें। आप नोटिस करेंगे कि नीचे की सतह सुनहरे रंग की हो गई है। इस तरह आपका गार्लिक नान तैयार हो जायेगा। इसे अब बटर लगाकर गरमागरम दाल मक्खनी या शाही पनीर के साथ सर्व कर सकते है।

सनस्क्रीन खरीदते समय इन बातों का रखें खास ध्यान, होगा सही चयन

सनस्क्रीन एक स्किन केयर प्रोडक्ट है, जिसका इस्तेमाल त्वचा को सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने के साथ-साथ झुर्रियों, पिगमेंटेंशन और असमान रंगत को भी दूर कर सकती है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि सनस्क्रीन कौन-कौन सी सामग्रियों से युक्त होनी चाहिए और त्वचा के प्रकार के अनुसार कौन सी सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए? आइए जानते हैं कि सनस्क्रीन खरीदने से पहले किन-किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

त्वचा के प्रकार के अनुसार चुनें सनस्क्रीन

अगर आप यह चाहते हैं कि सनस्क्रीन से आपको भरपूर फायदा मिले तो इसे हमेशा अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार ही चुनें। बेहतर होगा कि रूखी त्वचा वाले लोग मॉइश्चराइजिंग सामग्रियों से युक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। वहीं, तैलीय त्वचा वाले लोग ग्रीन टी एक्ट्रैक्ट, पेपरमिंट ऑयल, एल-कार्निटिन और निकोटिनैमाइड जैसी सामग्रियों से युक्त सनस्क्रीन लगाएं। संवेदनशील त्वचा वालों के लिए हाइड्रेटिंग और प्राकृतिक सामग्रियों से युक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना फायदेमंद है।

सही फॉर्मूला चुनें

आजकल मार्केट में लोशन, स्टिक, स्प्रे और क्रीम फॉर्मूले में सनस्क्रीन उपलब्ध है और सनस्क्रीन स्प्रे हर तरह की त्वचा पर सूट करता है। वहीं, सनस्क्रीन क्रीम त्वचा को मॉइश्चराइज करने का काम करती है, इसलिए यह रूखे प्रकार की त्वचा के लिए बेस्ट है। सनस्क्रीन स्टिक रूखी और मिश्रित त्वचा के लिए बेहतरीन है। वहीं, तैलीय त्वचा वाले लोगों के लिए सनस्क्रीन लोशन का इस्तेमाल करना अच्छा होगा।

सनस्क्रीन एसपीएफ युक्त होनी चाहिए

जब भी आप सनस्क्रीन खरीदने जाएं तो यह जरूर चेक हैं कि वो एसपीएफ वाली है या नहीं। दरअसल, एसपीएफ युक्त सनस्क्रीन की मदद से ही आप अपनी त्वचा को सूर्य की हानिकारक यूवी किरणों से बचाकर रख सकते हैं। बेहतर होगा कि आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार 5० या फिर 3० एसपीएफ युक्त सनस्क्रीन खरीदें और धूप में निकलने से 15 मिनट पहले इसे त्वचा पर लगाएं।

एक्सपायरी डेट करें चेक

सनस्क्रीन या फिर कोई अन्य स्किन केयर प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट को चेक करना जरूरी है। सनस्क्रीन चेहरे से लेकर हाथों और पैरों तक पर लगाई जाती है, इसलिए यह बहुत जरूरी हो जाता है कि आप एक्सरपायरी डेट चेक किए बिना इसे न खरीदें क्योंकि एक्सरपायर सनस्क्रीन को लगाने से त्वचा पर एलर्जी हो सकती है। जिस सनस्क्रीन की एक्सपायरी डेट छह-सात महीने बाद हो, केवल उसे ही खरीदें। (आरएनएस)

विजिलेंस में दर्ज शिकायतों ने खोली सरकारी सुशासन की पोल: मोर्चा

नगर संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि अप्रैल 2022 में सरकार द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने हेतु भ्रष्टाचार रोधी ऐप 1064 लॉन्च किया गया और सूत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर इन दो माह में लगभग 3600 शिकायतें विजिलेंस को प्राप्त हो चुकी हैं, जोकि सरकार को आईना दिखाने के लिए काफी है यानी सरकारी सुशासन की पोल पट्टी खोलने के लिए काफी है।

उन्होने कहा कि ये आंकड़ा तो तब है, जब अधिकांश लोगों को इसकी जानकारी नहीं है तथा कई लोग डर एवं फजीहत की वजह से शिकायतें दर्ज नहीं कराते। भ्रष्टाचार की शिकायतों के मामले

●भ्रष्टाचार की शिकायत हेतु सरकार ने किया था भ्रष्टाचार रोधी ऐप लॉन्च
●दो महीने में आ चुकी लगभग 3600 शिकायतें

में अन्य कई फोरम पर भी जनता द्वारा हजारों की संख्या में शिकायत दर्ज कराई गई है। इन २ महीनों में मात्र 8-10 मामलों का ही निस्तारण हो पाया। मामलों के निपटारे में तेजी न होने की सबसे बड़ी वजह सरकारी तंत्र की चाक-चौबंद व्यवस्था न होना है। नेगी ने कहा कि काश! सरकार ने इस ऐप की जगह अधिकारियों और अपने मंत्रियों पर शिकंजा कसा होता तो यह नौबत न आती। नेगी ने कहा कि इन आंकड़ों से जाहिर है कि प्रदेश भ्रष्टाचार के आकंठ दलदल में समा चुका है तथा आमजन की प्रदेश में सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होने कहा कि मोर्चा सरकार से मांग करता है कि इस भ्रष्टाचार रूपी महामारी को समाप्त करने हेतु युद्ध स्तर पर कार्य किया जाये।

घर में घुसकर मारपीट में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर मे घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी में एक को नामजद कर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एमडीडीए कालोनी चन्दर रोड निवासी मौहम्मद जाहिद ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने बेटे व बेटी के साथ घर पर था तभी चांद मौहम्मद अपने साथ अन्य लोगों को लेकर उसके घर में घुस आया मार पीट व लड़ाई शुरू कर दी गाली गलौज करने लगे जिस में हम काफी चोट आई और उसन अस्पताल में जाकर इलाज कराया करवाया। उसको व उसके बेटे बेटी को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मन्दिर के दानपात्र से चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मन्दिर के दानपात्र से रूपये चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बलबीर रोड स्थित गौरीशंकर मन्दिर के पण्डित मनोज गोदियाल ने डालनवाला कोतवाली मे मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज सुबह जब वह मन्दिर में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मन्दिर में रखे दानपात्र का ताला टूटा हुआ था तथा दानपात्र के अन्दर से रूपये गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में दोनों तरफ से मुकदमा

देहरादून (संवाददाता)। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दोनो पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शाति विहार निवासी कौशल पुत्र हरश्याम ने रायपुर थाने में ई रिक्श चलाने वाले पर अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। वहीं दूसरी तरफ से तरला आमवाला निवासी इन्द्रजीत ने दो लोगों के खिलाफ अपनी ई रिक्शा में बैठकर नशा करने व मना करने पर मारपीट करने व जान से मारन की धमकी देने का मुकदमें मे दो भाईयों अजय व अनुज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अज्ञात महिला पर चोरी का आरोप

देहरादून (संवाददाता)। घर से लैपटाप व अन्य सामान चोरी कर ले जाने पर अज्ञात महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीतम रोड निवासी दिनेश कौशिक ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गत दिवस सांय साढे चार बज एक अज्ञात महिला उसके घर के मैन गेट से अन्दर आयी जो घर का दरवाजा खुला होने के कारण उसके घर से एक बैग लेकर चली गयी। जिस में उसकी बैटी का लेपटाप डैल, जैबरा हैड फोन, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आडी, क्स, एक चार्जर लैपटाप का था। उसे लेकर चली गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में दो नामजद

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो लोगों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आजाद नगर कालोनी निवासी गुलशाद ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह मोरोवाला निवासी मौहम्मद एहसान के साथ आईएसबीटी मस्जिद के पास खडे थे तभी 6-7 लडके वहां पर आ गये तथा दोनों को बर्फ तोडनें वाले सुए से गोद गोद कर मारा गया जिससे कि उन दोनो की पीठ पर 6 से 7 गोदनें के निशान है और लात घुसों व बैल्टों से मारा गया। ये लोग 6 से 7 लोग थे जिनके नाम अभिषेक, अमित रहयान पुत्र मकसूद अन्य 4 लडके और है जिनके नाम अज्ञात है इन सबके द्वारा उन्हें जान से मारने की कोशिश की गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सूदखोर के दबाव में युवक ने की आत्महत्या!

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सूदखोर के दबाव व धमकी के चलते एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने पुलिस को इस मामले में तहरीर देते हुए सूदखोर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मामला हल्द्वानी शहर के वन विभाग आवासीय कॉलोनी का है। जानकारी के अनुसार वन विभाग परिसर में आवासीय कॉलोनी में रहने वाले वन दारोगा भजन सिंह के दो बेटे सरकारी क्वार्टर में रहते थे, जबकि भजन सिंह खटीमा में तैनात हैं।

वन दारोगा भजन सिंह ने पुलिस में तहरीर देते हुए कहा है कि उनका 28 वर्षीय बेटा कमलेश सिंह देव हल्द्वानी में वन विभाग के सरकारी आवास में अपने छोटे भाई नरेश के साथ निवासरत था। जबकि मां गांव ढोकटी बागेश्वर के तहसील कपकोट में रहती हैं। पिता भजन सिंह द्वारा पुलिस को बताया गया कि उनका बेटा कमलेश सिंह कुछ युवकों के चुंगल में फंस गया था। कमलेश ने दिल्ली निवासी नवनीत सोनी से दो लाख रुपये उधार लिए थे, जिसके लिए युवक उसको परेशान कर रहा था।

बताया कि नवनीत सोनी उनके बेटे का बार-बार फोन कर धमका रहा था जिससे कमलेश परेशान हो गया। रविवार शाम जब उसका छोटा भाई बाजार गया तो इस दौरान कमलेश ने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। छोटा भाई जब बाजार से घर पहुंचा तो बड़े भाई को बेहोश देख तुरंत हॉस्पिटल ले गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में हल्द्वानी कोतवाली प्रभारी हरेंद्र चौधरी का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारतीयों पर बढ़ते हमले

वेद प्रताप वैदिक

अमेरिका में इस समय लगभग 45 लाख भारतीय रह रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अगले कुछ ही वर्षों में भारतीय मूल का कोई व्यक्ति अमेरिका का राष्ट्रपति बन जाए। कमला हैरिस अभी उप-राष्ट्रपति तो हैं ही। इस समय अमेरिका में सबसे संपन्न कोई विदेशी मूल के लोग हैं तो वे भारतीय ही हैं। वैसे गोरे लोग भी कोई मूल अमेरिकी थोड़े ही हैं। वे भी भारतीयों की तरह यूरोप से आकर अमेरिका में बस गए हैं लेकिन उनका आगमन तीन-चार सौ साल पहले से शुरु हुआ है तो वे यह मानने लगे हैं कि वे गोरे लोग तो मूल अमेरिकी ही हैं। बाकी सब भारतीय, अफ्रीकी, चीनी, जापानी, मेक्सिकन आदि लोग विदेशी हैं। जो एशियाई लोग पिछले सौ-डेढ़ सौ साल से अमेरिका में पैदा हुए और वहीं रह रहे हैं, उन्हें भी गोरे लोग अपनी तरह अमेरिकी नहीं मानते। इसी का नतीजा है कि कई दशकों तक भारतीयों का अमेरिका के विभिन्न व्यवसायों में सर्वोच्च पदों तक पहुंचना असंभव लगता था लेकिन अब अमेरिका की बड़ी से बड़ी कंपनियों, प्रयोगशालाओं, शिक्षा और शोध संस्थाओं तथा यहां तक कि उसकी फौज में भी आप भारतीयों को उच्च पदों पर देख सकते हैं।

भारतीयों की जीवन-पद्धति देखकर भी औसत अमेरिकी चकित रह जाता है। लेकिन भारतीयों की ये सब विशेषताएं अमेरिकी गोरों के दिल में जलन भी पैदा करती हैं। संपन्नता के लिहाज से अमेरिका में भारतीय मूल के लोग सबसे अधिक संपन्न वर्ग में आते हैं। उनके पास एक से एक बढ़िया मकान, कीमती कारें और एश्वर्य का अन्य सामान आम अमेरिकियों के मुकाबले ज्यादा ही होता है। इसी का नतीजा है कि आजकल भारतीयों के विरुद्ध अमेरिका में अपराधों की भरमार हो गई है। इन्हें अमेरिका में घृणाजन्य अपराध (हेट क्राइम) कहा जाता है।

2020 के मुकाबले 2021 में भारतीयों के विरुद्ध ऐसे अपराध 300 प्रतिशत याने तीन गुना बढ़ गए हैं। कुछ गोरे लोग भारतीयों को देखते ही उन पर गोली चला देते हैं। सड़कों और दुकानों पर उन्हें देखते ही गालियां बकने लगते हैं। भारतीयों के विरुद्ध बिना किसी कारण, बिना किसी उत्तेजना के इस तरह के अपराध इसीलिए होते हैं कि लोगों के दिल पहले से ही घृणा से लबालब भरे होते हैं। जब से डोनाल्ड ट्रंप राजनीति में आए हैं, उन्होंने एशियाई, अफ्रीकी और लातीनी लोगों के खिलाफ इस घृणा को अधिक प्रबल बनाया है। ट्रंप के इस उग्र वंशवाद का दुष्परिणाम यह भी हुआ है कि अमेरिका के कुछ प्रभावशाली टीवी चैनल इस घृणाजन्य अपराध को बढ़ावा देते रहते हैं। ज्यों ही बाइडन-प्रशासन वीजा वगैरह में ज़रा-सी ढील देता है, त्यों ही रिपब्लिकन पार्टी के कई नेता शोर मचाना शुरु कर देते हैं कि अमेरिका में गोरे लोग शीघ्र ही अल्पसंख्यक बन जाएंगे और उनका जीना हराम हो जाएगा। अमेरिका में कोरोना को फैलाने के लिए भी एशियाई लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। जो लोग भारतीयों के विरुद्ध घृणा फैला रहे हैं, क्या उन्हें पता है कि यदि आज सारे भारतीय मूल के लोग अमेरिका से बाहर निकल आएं तो अमेरिका की हवा खिसक जाएगी? ये भारतीय लोग न सिर्फ अमेरिका की संपन्नता बढ़ा रहे हैं बल्कि उसे श्रेष्ठ जीवन-पद्धति से भी उपकृत कर रहे हैं।

वरुण गांधी का नया अवतार

उत्तर प्रदेश की पीलीभीत सीट से भाजपा के सांसद वरुण गांधी इन दिनों नए अवतार में हैं। भाजपा के समर्पित सांसद का अवतार उन्होंने काफी पहले छोड़ दिया था और नीतिगत मसलों पर अपनी ही पार्टी की सरकार को कठघरे में खड़ा करने लगे थे। उन्होंने भारत में खेती और खेती से जुड़ी अर्थव्यवस्था को लेकर एक बहुत अच्छी किताब लिखी और किसानों के आंदोलन का समर्थन भी किया। इसके लिए व्यापक रूप से उनको समर्थन मिला। लेकिन अब वे इससे भी आगे निकल कर नए अवतार में आ गए हैं। यह अवतार कुछ कुछ फिल्म अभिनेता सोनू सूद के कोरोना काल वाले अवतार से मिलता जुलता है।

ध्यान रहे कोरोना काल में सोनू सूद ने हजारों लोगों की मदद की थी। लोगों को अपने घर पहुंचाने से लेकर घरों में लोगों को ऑक्सीजन और जरूरी दवाएं भिजवाने और गांव लौट कर बेकार बैठे युवाओं को नौकरी दिलाने से लेकर लोगों का इलाज कराने तक उन्होंने मसीहा की भूमिका निभाई। वरुण गांधी भी ऐसी ही भूमिका निभा रहे हैं। फर्क यह है कि उन्होंने एक खास वर्ग को मदद के लिए चुना है। यह वर्ग युवाओं का है। उन्होंने सोशल मीडिया में इस बात की मुहिम छेड़ी है कि राज्यों में नौकरी के लिए होने वाली परीक्षाएं समय पर हों और उनके नतीजे समय पर निकलें। वे यह मुद्दा भी उठा रहे हैं कि युवाओं को परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने की सुविधा दी जाए। ऐसे प्रतिभागी जिनके पास साधन नहीं है या परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है, टिकट खरीदने के पैसे नहीं हैं, उन सबके लिए वरुण इंतजाम कर रहे हैं। नौजवान खुल कर वरुण से अपनी जरूरत बता रहे हैं वे उसे पूरा करके उसकी सूचना दे रहे हैं। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सुबह के समय चलाएं साइकिल, यह एक अच्छा व्यायाम है

स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करना बहुत जरूरी होता है। लेकिन कुछ लोग फिट रहने के लिए व्यायाम की बजाय साइकिल जैसी एक्टिविटी करते हैं।

आपने भी अपने जीवन में कभी न कभी साइकिल जरूर चलाई होगी और आप यह भी जानते हैं कि यह एक अच्छा व्यायाम है। लेकिन साइकिल चलाने से मिलने वाले लाभ प्राप्त करने के लिए उसका सही तरीका होना बेहद जरूरी है। आज विश्व साइकिल दिवस के मौके पर हम साइकिल चलाने का सही तरीका और उससे मिलने वाले फायदों के बारे में जानेंगे।

साइकिल चलाने का सही तरीका

1. धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाएं-

साइकिल चलाना शुरू करते हुए उसे दौड़ाना शुरू न करें बल्कि धीरे-धीरे उसकी तीव्रता को बढ़ाएं। कम से कम 200 से 300 मीटर की दूरी तक रिलैक्स होकर साइकिल चलाएं।

2. दोनों पैरों की पोजीशन का ध्यान रखें-

यह ध्यान रखें कि आपके दोनों पैर पैडल पर समान पोजीशन पर ही रखे गए हैं। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि पैडल पर पैर का पंजा या एड़ी न रखें। बल्कि पंजे से ठीक पिछला हिस्सा पैडल पर रखें

3. आगे की तरफ न झुकें-

साइकिल चलाते समय आगे की तरफ झुकने की कोशिश न करें बल्कि यह ध्यान रखें कि आपकी रीढ़ की हड्डी में ज्यादा मोड़ तो नहीं आया है। हालांकि, आप थोड़ा सा आगे की तरफ मुड़ सकते हैं, लेकिन पूरी तरह कमर मोड़ कर रखना रीढ़ की हड्डी को परेशान कर सकता है।

4. हैंडल को जोर से न पकड़ें-

साइकिल चलाते समय आपको यह ध्यान रखना है कि आप हैंडल को रिलैक्स होकर पकड़ रहे हैं। हालांकि, अगर आप स्पीड से साइकिल चला रहे हैं, तो हैंडल को इतना हल्के से भी पकड़ना नहीं चाहिए।

साइकिल चलाने के फायदे

वैसे तो आप साइकिल किसी भी समय चला सकते हैं और उसके फायदे भी ले सकते हैं। लेकिन सुबह के समय साइकिलिंग करने के अपने अलग ही फायदे होते हैं। सुबह के समय साइकिल चलाने के प्रमुख फायदों में निम्न शामिल हैं-

1. शरीर फिट रहता है-

अगर आप फिट रहना चाहते हैं, तो रोजाना सुबह के समय कम से कम 30 मिनट साइकिल चलाना शुरू करें। इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी धीरे-धीरे अपने आप गायब होना शुरू हो जाएगी।

2. मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है-

सुबह के समय साइकिल चलाते समय आपको ताजी हवा मिलती है, जिसे मन अच्छा होता है। साथ ही डिप्रेशन जैसी समस्याओं को भी सुबह के समय साइकिलिंग करके दूर किया जा सकता है।

3. मांसपेशियां मजबूत होती हैं-

अच्छी मस्कुलर बॉडी चाहिए तो रोजाना सुबह के समय कम से कम 40 मिनट तक साइकिल चलाएं। साइकिल चलाने से शरीर की कई मांसपेशियों में खिंचाव आता है और वे मजबूत बनती हैं।

4. पाचन क्रिया तेज होती है-

साइकिल मांसपेशियों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। अगर आपको पेट में गैस, बदहजमी, दस्त या कब्ज आदि में से कोई भी समस्या महसूस हो रही है, तो आपको रोज सुबह उठकर साइकिलिंग करने की आदत डाल लेनी चाहिए।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -062

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

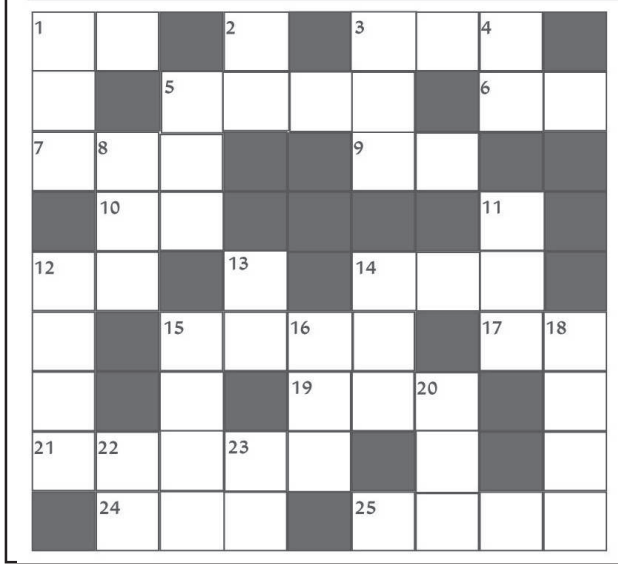

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 61 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

श्रिया पिलगांवकर ने अपने द ब्रोकन न्यूज चरित्र पर प्रकाश डाला

अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर जल्द ही वेब सीरीज द ब्रोकन न्यूज में सोनाली बेंद्रे और जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। उन्होंने हाल इस शो में अपने चरित्र को लेकर बातें साझा की हैं।

अभिनेत्री ने कहा, मैं राधा भार्गव की भूमिका निभा रही हूं जो कि काफी दिलचस्प और जटिल है। मेरे लिए वह दर्शकों का दिमाग है, मुझे ऐसे पात्र पसंद हैं जो कभी कभी स्टैड ले सके, वह एक समाचार निर्माता, समाचार एंकर और एक खोजी पत्रकार भी है।

आगे अभिनेत्री ने कहा, जब वह उन कहानियों को सामने लाना चाहती हैं, जिनके बारे में वह दृढ़ता से महसूस करती हैं, तो वह यह भी जानती हैं कि उन्हें दर्शकों तक पहुंचने के लिए एक शक्तिशाली तरीके की आवश्यकता है। वह विद्रोही, बहादुर और इच्छाशक्ति वाली हैं। काम पूरा करने के लिए जो भी करना पड़े वह करती है।

मिजार्पुर में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को दिल जीतने वाली अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर सोनाली बेंद्रे और जयदीप अहलावत के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा है, जयदीप आज हमारे पास बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं और मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। मेरे मन में उन दोनों के लिए बहुत प्यार और सम्मान है। पहले मैं सिर्फ एक प्रशंसक थी और अब मैं एक दोस्त हूं।

सीरीज द ब्रोकन न्यूज दो प्रतिद्वंद्वी न्यूज नेटवर्क के इर्द गिर्द घूमती है और पत्रकारों के एक गतिशील समूह के जीवन, झूठ, प्यार और संघर्ष को उजागर करती है।

टीआरपी के हिसाब से भारत का नंबर 1 न्यूज चैनल है लेकिन सनसनीखेज और आक्रामक पत्रकारिता में विश्वास रखता है।

इस सीरीज का प्रीमियर जी5 पर 10 जून को हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में रिलीज होगा।

फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड में नजर आएंगे अभिनेता रोहित सराफ

शाहिद कपूर की फिल्म इश्क विश्क जो कि 2003 में आई थी और यह सुपरहिट फिल्मों में शामिल हुई थी। अब इस फिल्म की रीमेक इश्क विश्क रिबाउंड की घोषणा हो गई है जिसमें मुख्य अभिनेता के तौर पर रोहित सराफ नजर आने वाले हैं।

इस फिल्म को लेकर अभिनेका रोहित सराफ काफी खुश हैं। फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए रोहित का कहना है, जैसा कि मैंने कुछ महीनों पहले दुनिया को बताया है उसको लेकर मैं शेयर करना चाहता हूं कि, मैं कितनी भी को कोशिश कर लू परंतु मैं हर भावना के साथ न्याय नहीं कर सकता हूं।

यह अब तक की सबसे खूबसूरत जगह है, आश्वस्त करने वाला, सशक्त बनाने वाला, अविश्वसनीय रूप से खुश और मैं कभी नहीं जा रहा हूँ! आप में से हर एक को धन्यवाद, जिन्होंने मुझे रेंगते हुए लिया और मुझे प्यार किया, समर्थन किया और मुझे पकड़ लिया।

टिप्स फिल्म्स लिमिटेड के रमेश तौरानी और जया तौरानी द्वारा निर्मित, इश्क विश्क रिबाउंड में रोहित सराफ, ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन, जिब्रान खान और नायला ग्रेवाल हैं।

अपारशक्ति खुराना दो म्यूजिक वीडियो रिलीज करने के लिए तैयार

इस साल की शुरूआत में दो गाने बल्ले नी बल्ले और छोटी छोटी गल रिलीज करने वाले अभिनेता-गायक अपारशक्ति खुराना अब दो और म्यूजिक वीडियो रिलीज करने के लिए तैयार हैं।

अभिनेता कहते हैं, मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से, गाना और संगीत का आनंद लेना कुछ ऐसा है जो मुझे फिल्में बनाना और देखना पसंद है। मुझे अपने खाली समय के दौरान जाम करना पसंद है और जब भी मेरे पास समय होता है, मैं अपनी प्लेलिस्ट को नए संगीत के साथ अपडेट करना पसंद करता हूं।

उन्होंने आगे कहा, ईमानदारी से इस तरह की विविध परियोजनाओं का हिस्सा बनना मेरे लिए एक आशीर्वाद है और मुझे मेरे जैसे कलाकार के लिए डिजिटल, फिल्में, मेरा संगीत, संगीत वीडियो सहित इस तरह के विभिन्न प्रारूपों को आगे बढ़ाने का मौका मिलता है, जो मनोरंजन करना पसंद करता है।

मेरे पिछले दो ट्रैक जो दोनों एक-दूसरे से अलग थे, उन्हें इतना प्यार मिला है, और अब मैं पहले से ही दो और ट्रैक के साथ तैयार हूं जो जल्द ही आने वाले हैं। मैं सभी को एक संगीत वर्ष देने के लिए इन रिलीज की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

अपारशक्ति अगली बार धोखा- अराउंड डी कॉर्नर में खुशाली कुमार के साथ दिखाई देंगे। इसके बाद स्पाई थ्रिलर बर्लिन और विक्रमादित्य मोटवानी की पीरियड ड्रामा अमेजन ओरिजिनल सीरीज जुबली है।

हाउसफुल फ्रेंचाइजी में भी अक्षय को रिप्लेस करेंगे कार्तिक आर्यन?

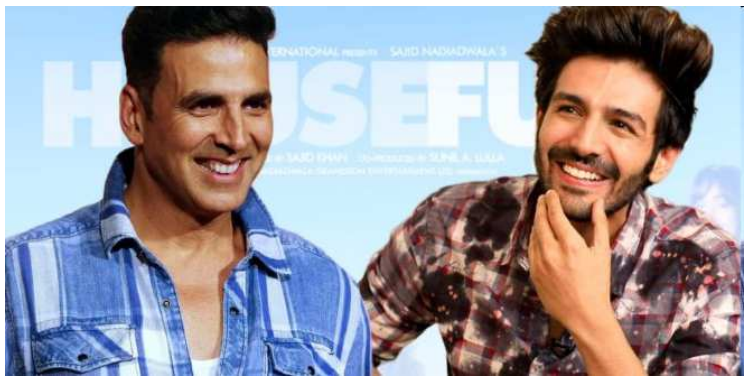

भूल भुलैया 2 के हिट होने के बाद से ही कार्तिक आर्यन सुर्खियों में छाए हुए हैं। यह फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 128 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। अब कार्तिक के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि वह हाउसफुल फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार को रिप्लेस करेंगे। अक्षय इस फ्रेंचाइजी की चारों फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक हाउसफुल फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म में अक्षय को रिप्लेस कर सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में किसी प्रकार की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सोशल मीडिया पर भी इस फ्रेंचाइजी से कार्तिक के जुड़ने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। लोग इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। हालांकि, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। खैर जो भी हो, कार्तिक के फैंस की उत्सुकता तो बढ़ ही गई है।

कार्तिक के हाउसफुल फ्रेंचाइजी से जुड़ने की अटकलों को हवा तब मिली, जब कमाल राशिद खान उर्फ केआरके ने इसको लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा। केआरके ने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, मैं कंफर्म करता हूं कि कार्तिक हाउसफुल 5 करने जा रहे हैं, जो कि अक्षय की फ्रेंचाइजी है। अक्षय का अंत यहां से शुरू होता है। अक्की भाई आप बहुत अच्छे आदमी हैं। ऊपरवाला आपको खुश रखे। कनाडा में मिलते हैं भाई।

भूल भुलैया 2 2007 में आई भूल भुलैया का सीच्ल है। ऑरिजनल फिल्म में अक्षय मुख्य भूमिका में थे। भूल भुलैया 2 में कार्तिक ने अक्षय को रिप्लेस किया। ये वक्त बताएगा कि कार्तिक हाउसफुल 5 में अक्षय को रिप्लेस करते हैं या नहीं।

2019 में खबरें आई थीं कि हाउसफुल फ्रेंचाइजी के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला हाउसफुल 5 को लेकर प्लानिंग कर रहे हैं। हाउसफुल की सक्सेस पार्टी की तस्वीर शेयर करते हुए अक्षय ने हाउसफुल 5 को लेकर इशारा किया था। इस तस्वीर में इस फ्रेंचाइजी के कलाकार नजर आए थे। काफी समय से इस प्रोजेक्ट से जुड़ी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। उम्मीद है कि जल्द फ्रेंचाइजी की अगली किस्त का ऐलान होगा।

हाउसफुल फ्रेंचाइजी की फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर जलवा रहा है। अक्षय से लेकर दीपिका पादुकोण, चंकी पांडे, रितेश देशमुख, बॉबी देओल, दिवंगत जिया खान, बोमन ईरानी और जैकलीन फर्नांडिस जैसे सितारे इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। हाउसफुल और हाउसफुल 2 का निर्देशन साजिद खान ने किया था। हाउसफुल 3 का निर्देशन फरहाद सामजी और साजिद ने मिलकर किया था। हाउसफुल 4 को फरहाद ने निर्देशित किया था, जो 2019 में आई थी। कार्तिक के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह साजिद नाडियाडवाला की फिल्म लुका छुपी 2 में नजर आएंगे। वह फिल्म शहजादा में भी नजर आएंगे। हंसल मेहता की फिल्म कैप्टन इंडिया में भी कार्तिक मुख्य भूमिका निभाएंगे।

दिखा शाहरुख खान का अनोखा अवतार

शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म एटली का टाइटल फैन्स के बीच काफी चर्चा बटोर रहा है। पहले सूत्रों ने खुलासा किया था कि शीर्षक जवान है, लेकिन निर्माताओं ने इसकी पुष्टि नहीं की है। लेकिन आज, निर्माताओं ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और उसी के टीज़र को रिलीज़ किया है। टीज़र फिल्म के शीर्षक की पुष्टि करता है और प्रशंसकों को बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए शाहरुख के नए रूप पर उनकी पहली नज़र भी देता है। घोषणा पर प्रशंसकों ने उत्साह के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

जब टीज़र की बात आती है, तो इसकी शुरुआत पहाड़ की चोटियों पर नॉर्दर्न लाइट्स के नज़ारे से होती है। जैसे ही फिल्म शुरू होती है, हम शाहरुख को अपने चेहरे पर पट्टियां लपेटते हुए देखते हैं। बाद वे अपनी जगह से उठते है और बंदूक हाथ में लिए फायर करते नजर आते है। थोड़ी देर बाद उनके चेहरे पर मुस्कराहट नजर आती है। फिल्म के टीजर को देखने के बाद फैन्स में अलग ही उत्साह देखने का मिल रहा है। फैन्स टीजर देखने के बाद जमकर कमेंट्स कर रहे है।

शाहरुख खान ने टीजर शेयर करते हुए लिखा- जब शाहरुख खान और एटली साथ में मिलते है तो आपके दिमाग को हिलाने जैसा होगा। आप सभी एक बेहतरीन एंटरटेनमेंट के लिए तैयार रहिए। ये फिल्म हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म को गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। कहा जा रहा है कि जवान में शाहरुख खान डबल रोल में नजर आएंगे। वहीं, नयनतारा इंवेस्टिगेटिव ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म सान्या मल्होत्रा भी खास रोल में नजर आएंगी।

बात शाहरुख खान के वर्कफ्रंट की करें तो वे यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली फिल्म पठान में भी नजर आएंगे। इस फिल्म के काफी हिस्से की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण लीड रोल में है। ये फिल्म जनवरी 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा शाहरुख, सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में भी कैमियो करते नजर आएंगे। खबरों की मानें तो अभी शाहरुख ने टाइगर 3 के लिए शूटिंग शुरू नहीं की है। वे फिलहाल, एटली की फिल्म जवान की शूटिंग में बिजी है। कहा जा रहा है कि वे करीब 2 महीने बाद टाइगर 3 की शूटिंग कर पाएंगे।

साउथ फिल्म विक्रम बॉक्स ऑफिस पर लगातार दिखा रही है कमाल

कमल हासन फेम साउथ फिल्म विक्रम जिसका निर्देशन लोकेश कनकराज ने किया है, फिल्म लगातार बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखा रही है। इस बात की जानकारी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से सामने आई है। जाने-माने व्यापार विशेषज्ञ तरण आदर्श ने ट्वीट किया कि, फिल्म का सप्ताहांत काफी अच्छा रहा है और फिल्म विदेशों में भी अपना जादू दिखा रही है।

तरण आदर्श ने कहा, फिल्म ने रविवार तक अमेरिका में 13.43 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में इसी अवधि में क्रमश 3.90 करोड़ रुपये और 3.55 करोड़ रुपये की कमाई की थी। तरण आर्दश ने कहा, जर्मनी में फिल्म ने 34.09 लाख रुपये कमाए, जबकि न्यूजीलैंड में इसने 33.91 लाख रुपये कमाए।

कनाडा में फिल्म ने 24.36 लाख रुपये और आयरलैंड में 25.83 लाख रुपये कमाए। तमिलनाडु में, फिल्म ने अपने पहले सोमवार को सिनेमाघरों में लगभग 85 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी दर्ज करते हुए प्रभावित करना जारी रखा। वहीं दूसरी तरफ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री ट्रैकर श्रीधर पिल्लई ने ट्वीट किया, विक्रम अपने पहले सोमवार को दुनिया भर के बॉक्स-ऑफिस पर हावी है।

तमिलनाडु में, फिल्म रॉक स्थिर है और सोमवार को लगभग 85 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई है, जो महामारी के बाद का उच्चतम स्तर है। कमल हासन और लोकेश मल्टी-स्टारर एक्शन फालतूगांजा एक ब्लॉकबस्टर है! श्रीधर पिल्लई ने यह भी दावा किया, विक्रम वर्ड ऑफ माउथ प्रमोशन के साथ एक सार्वभौमिक हिट साबित हुआ था।

उन्होंने ट्वीट किया, लोकेश द्वारा निर्देशित कमल हासन एक्शन फालतू ने दुनिया भर के बॉक्स-ऑफिस से शुरूआती सप्ताहांत में 150 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है, जिसमें अकेले भारत ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। कॉलीवुड से सबसे बड़ी महामारी के बाद की हिट! फिल्म की सफलता ने निर्देशक लोकेश कनकराज सहित पूरी यूनिट को खुश कर दिया है।

लोक सेवकों के चयन का इतना हल्ला क्यों?

हरिशंकर व्यास

राज्यसभा चुनाव के अलावा जिस बात की इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा है वह लोक सेवकों का चयन है। संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी के जरिए अखिल भारतीय सेवाओं के 685 अधिकारियों का चयन हुआ है। इसमें आईएएस, आईएफएस, आईपीएस और अन्य अधिकारी हैं। यानी इसमें चुने गए लड़के-लड़कियां आगे कलेक्टर, एसपी बनेंगे। हर तरफ इसकी चर्चा है। अमुक प्रतिभागी ने अमुक जगह से पढ़ाई की। अमुक संस्थान ने उसकी मदद की। अमुक प्रतिभागी अमुक जाति का है या अमुक राज्य का है। हर राज्य के लोग सोशल मीडिया में झूठी-सच्ची सूची प्रकाशित कर रहे हैं कि उसके राज्य से कितने ज्यादा प्रतिभागियों का चयन हुआ। कोचिंग कराने वाले संस्थान अलग श्रेय लेने की होड़ में हैं। एक ही चयनित प्रतिभागी का नाम एक दर्जन संस्थानों की ओर प्रकाशित पोस्टर में दिख रहा है। चुने गए प्रतिभागी इंटरव्यू दे रहे हैं कि कैसे बचपन से उनका सपना था कि आईएएस या आईपीएस बनें और देश व समाज की सेवा करें।

सोचें, इस सेवा में चुने गए अधिकारी क्या समाज सेवा करेंगे या देश के विकास में क्या योगदान करेंगे? सोचें, अमेरिका या यूरोप के देशों में जहां सिविल सेवा की ऐसी परीक्षा नहीं होती है या आईएएस, आईपीएस अधिकारी नहीं बनते हैं क्या वहां लोगों की सेवा नहीं होती है या देश तरक्की नहीं करता है? दुनिया के किसी और देश में ऐसा सुनने को नहीं मिलता है कि अमुक सेवा के लिए चुना जाना बहुत महान बात है। यह भी नहीं सुनने को मिलता है किसी के किसी खास सेवा में चुन लिए जाने पर राज्य और जातियों के लोग अपने को गौरवान्वित महसूस करें। वहां लोगों की उपलब्धियों पर तो गौरवान्वित महसूस करने का चलन है। भारत एकमात्र देश होगा, जहां किसी व्यक्ति के किसी नौकरी के लिए चुन लिए जाने को उपलब्धि माना जाता है। वह सरकार का नौकर लग गया तो यह बड़ी उपलब्धि है- उस व्यक्ति के लिए भी, उसकी जाति के लिए भी, उसके पड़ोसियों के लिए भी और उसके जिले और राज्य के लिए भी।

सोचें, यह कैसी बेसिर-पैर की बात है। अगर किसी सेवा का कोई व्यक्ति कोई ऐसा काम करता है, जिससे देश और समाज को फायदा हो तब उस पर गौरवान्वित हुआ जा सकता है लेकिन किसी खास नौकरी के लिए चुन लिए जाने में क्या गौरव की बात है? भारत में है क्योंकि उस नौकरी में शाही ठाठ जुड़ा हुआ है। कहने को इस नौकरी का नाम लोक सेवा है लेकिन इसके अधिकारी नौकर नहीं, बल्कि मालिक होते हैं। यह अनायास नहीं है कि अंग्रेज के जमाने में जिसे कलेक्टर कहा जाता था और जिसका काम राजस्व संग्रह करना था वह आजाद भारत के शासन में जिलाधिकारी या जिलाधीश बन गया। खुद आईएएस अधिकारी रहे लेखक श्रीलाल शुक्ल ने एक जगह लिखा कि कलेक्टर या डीएम का अनुवाद जिलाधीश पढ़ कर ऐसा लगता है, जैसे वह चंद्रगुप्त विक्रमादित्य का वंशज हो और एक खास जिले पर राज कर रहा हो। लेकिन वास्तव में कलेक्टर को जिले का मालिक ही कहा जाता है और वह राज ही करता है। इसलिए उसके चुने जाने पर ऐसा माहौल बनता है।

इसके बावजूद सवाल है कि जिले का मालिक बन कर वह क्या तीर मार लेता है? देश में इस समय हजारों आईएएस और आईपीएस नौकरी कर रहे हैं लेकिन कहां, किसके काम में, क्या मौलिकता देखने को मिल रही है? कहां के कलेक्टर ने किस

जिले की तकदीर बदल दी? कहां कलेक्टर से प्रमोशन पाकर राज्य सरकार या भारत सरकार का सचिव बने किसी अधिकारी ने राज्य का देश की तकदीर बदलने वाला काम किया? चाहे जिले का कलेक्टर हो या भारत सरकार का सचिव हो, उसका काम सिर्फ यस सर करना है और सरकार की नीतियों को जैसे तैसे लागू करना है। इसी में वह आम नागरिकों पर अपना रुआब-रूतबा दिखा लेता है। लोग उसके तामझाम से या तो आतंकित होते हैं या प्रभावित होते हैं। उसके ठाठ देख कर और लोक सेवक के नाते हासिल सुविधाएं देख कर लोग अपने बच्चों को भी वैसा बनाने की कोशिश में लगते हैं।

यह समझने की बात है कि जैसे किसी के सांसद या विधायक बन जाने से उसकी निजी स्थिति में होने वाले बदलाव के अलावा किसी खास जाति, समाज या देश की स्थिति में कोई बदलाव नहीं होता है वैसा ही मामला आईएएस, आईपीएस अधिकारियों का भी है। इस सेवा में चयनित होने के बाद उनका अपना निजी जीवन बदलता है। उन्हें पद के साथ कई विशेषाधिकार मिलते हैं। वे अच्छे बंगलों में रहते हैं, साथ में गाड़ियों का काफिला चलता है, उनके बच्चे अच्छे स्कूलों में पढ़ते हैं, अस्पतालों में इलाज में उनको प्राथमिकता मिलती है, उनके फोन कर देने से किसी का छोटा-मोटा काम भी हो जाता है लेकिन वे देश-समाज में कोई क्रांति कर देंगे, ऐसा नहीं होता है। वे नौकरी करते हैं, हुक्म की तामील करते हैं, अच्छी पोस्टिंग-तबादले के लिए अपने आका की जी-हुजूरी करते हैं और आम लोगों पर ताकत की जोर आजमाइश करते हैं।

नरेंद्र मोदी के राज में उनकी स्थिति और भी खराब हुई है। खुद प्रधानमंत्री ने संसद में खड़े होकर कहा कि आईएएस हो गया तो क्या, सारे काम वहीं करेगा। उन्होंने लैटरल एंट्री के जरिए बाहर के विशेषज्ञों को लाकर सीधे भारत सरकार का संयुक्त सचिव बनाना शुरू किया है। उनके राज में अखिल भारतीय सेवा के पदों की संख्या भी लगातार कम हो रही है। मनमोहन सिंह जब हटे थे उस साल यूपीएससी के जरिए कुल 11 सौ से ज्यादा प्रतिभागी चुने गए थे और इस साल 685 चुने गए हैं। आने वाले दिनों में यह संख्या और कम होगी। लेकिन यह संख्या जितनी कम होती जाएगी, इसका क्रेज उतना ही बढ़ता जाएगा। तब इसके नतीजों की हाइप और बनेगी।

अब ज़ल्द आएगी कश्मीर फाइल्स 2

फ़िल्म द कश्मीर फाइल्स इतने विवादों से और तारीफों से गुजरी है की अब फ़िल्म डॉयरेक्टर विवेक अग्निहोत्री कश्मीर फ़ाइल 2 को बनाने की योजना बना रहे हैं। इस कहानी में कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्याचार और उनकी दर्द भरी कहानी की एक सच्ची घटना से लोगों को रूबरू करवाया था। लेकिन अब सवाल ये कि कश्मीर फाइल 2 में निर्माता क्या दिखाने वाले हैं?

अपनी नई फिल्म को लेकर विवेक अग्निहोत्री ने कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि फिल्म द दिल्ली फाइल्स, 1984 के ब्लैक चैप्टर पर आधारित होगी। इस फिल्म में तमिलनाडु के बारे में भी बहुत कुछ दिखाया जाएगा. विवेक अग्निहोत्री ने कहा, भारत के इतिहास में साल 1984 एक काले अध्याय की तरह है। पंजाब में जिस तरह आतंकवाद की स्थिति को हैंडल किया गया था, वो अमानवीय था. ये पूरी तरह से वोट बैंक की पॉलिटिक्स के लिए था और इसीलिए पंजाब में कांग्रेस पार्टी ने आतंकवाद की खेती की।'

आगे उन्होंने कहा कि यह फिल्म दिल्ली के बारे में नहीं है, बल्कि कैसे दिल्ली इतने सालों से भारत को बर्बाद कर रही है, इसके बारे में है। किसने दिल्ली पर राज किया, कैसे मुगल राजाओं से लेकर ब्रिटिश और मॉडर्न समय के लोगों ने इसे बर्बाद किया।, कैसे मुगल राजाओं से लेकर ब्रिटिश और मॉडर्न समय के लोगों ने इसे बर्बाद किया. इतिहास सबूत और तथ्यों पर आधारित होता है। भारत में दिक्कत यह है कि लोग इतिहास को दूसरों की बातों या पॉलिटिकल एजेंडा के हिसाब से लिखते हैं।

सू- दोकू क्र.62

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 61 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

निखिल सिद्धार्थ की स्पाई के मेकर्स ने दी उनके रोल की एक झलक

तेलुगू अभिनेता निखिल सिद्धार्थ की आने वाली फिल्म स्पाई के निर्माताओं ने फिल्म में उनकी भूमिका की एक झलक पेश की है।

स्पाई निखिल सिद्धार्थ की पहली बहुभाषी फिल्म के साथ-साथ लोकप्रिय संपादक गैरी बीएच का पहला निर्देशन उद्यम है।

जैसे ही वीडियो खुलता है, नायक हाथ में एक ट्रांसमीटर के साथ बफीर्ले पहाड़ों के से चलता है, निखिल, सशस्त्र और लड़ने के लिए तैयार, अपनी बाइक की सवारी करता है और दुश्मनों पर गोलियां चलाता है। एक्शन से भरपूर वीडियो में, निखिल स्लीक, स्टाइलिश और डैशिंग लग रहें है, जो आने वाले समय के लिए टोन सेट करता है, एक जीवन से बड़ा एक्शन एंटरटेनर है जो दुनिया भर के सिनेमाघरों में दशहरा 2022 के लिए पांच भाषाओं - तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगा। लंबे समय से गैर-मौजूदगी के बाद फिल्मों में वापसी कर रहे आर्यन राजेश की फिल्म में एक विशेष भूमिका है, और यह उनके लिए एक आदर्श री-एंट्री वाहन होगा। इस्वर्या मेनन निखिल के साथ प्रमुख महिला की भूमिका निभाती हैं और सान्या ठाकुर की भी स्पाई में महत्वपूर्ण भूमिका है।

पवार फॉर्मूला नहीं अपनाया सोनिया ने

केंद्रीय एजेंसियों से निपटने के सभी क्षत्रपों ने अपने अपने फॉर्मूले बनाए हैं। जैसे ममता बनर्जी के मंत्रियों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया तो वे कोलकाता में सीबीआई कार्यालय में पहुंच गईं और छह घंटे तक वहीं बैठी रहीं। राज्य की पुलिस उनके साथ खड़ी रही और पार्टी कार्यकर्ताओं ने सीबीआई के खिलाफ नारेबाजी की। इसी से मिलता-जुलता फॉर्मूला शरद पवार का है। महाराष्ट्र में ईडी ने 5 हजार करोड़ रुपए के कथित बैंक घोटले में शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार सहित कई लोगों पर मुकदमे दर्ज किए थे। इस मुकदमे की सूचना मिलने के बाद पवार ने ऐलान किया कि वे मुंबई में ईडी के कार्यालय में जाएंगे और अपना पक्ष रखेंगे।

हालांकि ईडी ने पवार को नोटिस जारी नहीं किया था लेकिन उन्होंने बलार्ड एस्टेट स्थित ईडी के कार्यालय जाने के फैसला किया। यह मामला सितंबर 2019 का है। इसके थोड़े दिन बाद ही राज्य में विधानसभा के चुनाव होने वाले थे, जिसकी वजह से माहौल में सियासी हलचल पहले से थी। पवार की घोषणा के बाद हजारों की संख्या में एनसीपी कार्यकर्ता ईडी कार्यालयके सामने जमा होने की तैयारी करने लगे। माहौल ऐसा बन गया कि ईडी ने ईमेल भेज कर पवार को कहा कि उनको कार्यालय आने की जरूरत नहीं है। राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार अलग परेशान हुई और कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक रखने के लिए पुलिस कमिश्नर खुद पवार के घर गए और उनको मनाया कि वे ईडी कार्यालय न जाएं।

बाद में उस केस का क्या हुआ पता नहीं है लेकिन फिर सुनने को नहीं मिला की पवार के खिलाफ ईडी कोई कार्रवाई करने जा रही है।

सोचें, 25 हजार करोड़ रुपए के कथित घोटाले में एफआईआर में नाम होने के बावजूद पवार को पेश नहीं होना पड़ा लेकिन एक ऐसे कथित घोटाले में, जिसमें कोई पैसा इनवॉल्व नहीं है उसमें सोनिया और राहुल गांधी ईडी के सामने पेश होंगे। ईडी ने राहुल गांधी को दो जून को पेश होने के लिए नोटिस जारी किया था लेकिन तब वे विदेश में थे। इस आधार पर पार्टी ने दूसरा समय मांगा। अब उनको 13 जून को पेश होना है। सोनिया गांधी के आठ जून को पेश होना है लेकिन वे कोरोना संक्रमित हैं और पार्टी उनके लिए भी आगे का कोई समय लेगी।

सवाल है कि क्यों नहीं नोटिस मिलते ही सोनिया और राहुल दोनों ने खुद पहल की और पवार की तरह तत्काल ईडी कार्यालय पहुंचने का ऐलान किया?

कांग्रेस कह रही है कि राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है लेकिन कांग्रेस इस मामले को सियासी रूप नहीं दे पा रही है। अगर पवार फॉर्मूले पर कांग्रेस भी काम करती तभी मामला सियासी रूप लेता।(आरएनएस)

एक सप्ताह तक चलने वाले योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारम्भ

संवाददाता

देहरादून। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में टिहरी झील के किनारे पर चलने वाले एक सप्ताह के योग सप्ताह का शुभारम्भ किया गया।

आज यहां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की साप्ताहिक तैयारियों के संदर्भ में दून योग पीठ देहरादून के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी ने आयुर्वेद एवं यूनानी सेवाएं जनपद टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड सरकार के सहयोग से विश्व प्रसिद्ध टिहरी झील में आइटीबीपी के जवानों और अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और स्थानीय लोगों को सामूहिक योगाभ्यास कराते हुए 21 जून तक योग करने का संकल्प लें और पूरे साल भर नियमित रूप से योगाभ्यास करें तभी इस प्राचीन ऋषि मुनि परंपरा का हमें लाभ मिलेगा। उन्होंने आह्वान किया देव भूमि उत्तराखंड को योग भूमि उत्तराखंड बनाएं और सभी मिलकर के उत्तराखंड को वैलनेस का एक बड़ा हब बनाने का भी संकल्प लें और साथ ही टिहरी झील और उसके आसपास के क्षेत्रों में भी योग और आयुर्वेद के विकास की अपार संभावनाओं हैं यदि केंद्र, राज्य सरकार और स्थानीय लोग मिलकर के संयुक्त रूप से प्रयास करें तो उत्तराखंड को वैलनेस का एक बहुत बड़ा हब बनाया जा सकता है। आज 15 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में जो टिहरी झील के किनारे आयोजित किया गया 1 हफ्ते तक चलने वाले कार्यक्रम में प्रात:7 से 8 तक योगाभ्यास कराया जाएगा। आज के कार्यक्रम की शुरुआत डिप्टी कमांडेंट आइटीबीपी जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ सुभाष चंद्र आध्यात्मिक गुगुरु आचार्य बिपिन जोशी जी एवं नोडल अधिकारी योग दिवस डॉक्टर दिनेश जोशी द्वारा किया गया पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण टिहरी जिले का टिहरी झील भविष्य में भी आयुर्वेद योग एवं पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध हो इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा टिहरी झील को चुना गया है। योग 15 जून से एक हफ्ते तक चलने वाले योगाभ्यास कार्यक्रम 19 जून तक चलेगा जिसमें प्रात: सुबह 7 बजे से 8 बजे तक 1 घंटे की योग क्लासेज कराई जाएंगी 20 तारीख को रन फॉर एवर और 21 तारीख को टिहरी झील के किनारे आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा वृद्धि एवं भव्य तरीके से होगा। आज के कार्यक्रम में डॉक्टर सत्यवीर रावत डॉ हरीश भट्ट डॉक्टर कांडपाल अनुज डबराल योग साधक नीरज डोभाल आइटीबीपी कैंप के सभी जवान एवं मेघराज सर उपस्थित थे।

कौसानी में लगे अधिकतर स्ट्रीट लाइट खराब

बागेश्वर (आरएनएस)। भारत का स्विट्जरलैंड के नाम से प्रसिद्ध सुमित्रानंदन पंत की जन्मस्थली कौसानी में गर्मियों में देश तथा विदेश से पर्यटक आते हैं, लेकिन यहां लगी अधिकतर स्ट्रीट लाइट खराब हो गई हैं। पर्यटक रात को अपने मोबाइल से उजाला कर अपने–अपने होटलों की ओर जाते हैं। सफाई व्यवस्था भी बदहाल है, व्यापारियों की माने तो जिला पंचायत यहां के होटलों से टैक्स वसूलती है, लेकिन उन्हें पर्याप्त व्यवस्था देने में नाकाम साबित हो रही है।

कौसानी बागेश्वर और अल्मोड़ा जिले के बॉर्डर पर बसा हुआ है। कुछ हिस्सा अल्मोड़ा और अधिकतर हिस्सा बागेश्वर जिले में आता है। यहां करीब ४० होटल हैं, इसके अलावा राज्य अतिथि गृह, कुमंविनि का विश्राम गृह के अलावा जिला पंचायत, लोनिवि तथा वन विभाग का डाक बंगला भी यहां पर है। होटल कारोबारी पूरन सिंह दोसाद, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष बबलू नेगी ने जिला प्रशासन पर पर्यटकों को आवागमन में हो रही दिक्कतों को दूर करने की मांग की है।

दोसाद ने बताया कि उन्होंने पूर्व में उच्च न्यायालय में जनहित याचिका भी दायर की थी, इसके बाद बागेश्वर और अल्मोड़ा जिले के जिलाधिकारियों को नगर में स्ट्रीट लाइटों को लगाने के आदेश मिले थे। परंतु अब पोलों पर लगे अधिकतर स्ट्रीट लाइट शो पीस बन गईं हैं।

मुख्यमंत्री ने किया पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान का फ्लैग ऑफ

नगर संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से मिशन हील एनवायरनमेंट एंड सोशल कॉज फ्रॉम पैज पीपल ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजन प्रेरणा 2022 के अंतर्गत तीर्थ स्थानों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान का फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। मुख्यमंत्री ने दल के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मिशन हील एनवायरनमेंट एंड सोशल कॉज फ्रॉम पैज पीपल ट्रस्ट, कई वर्षों से दिव्यांग जनों के हितार्थ के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिसमें दिव्यांग जनों की सक्रिय भागीदारी से अनेक साहसिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जाता रहा है।

ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजन प्रेरणा 2022 के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं तीर्थ स्थानों की स्वच्छता हेतु 15 जून से 18 जून तक जन जागरण अभियान का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है।

मिशन हील एनवायरनमेंट एंड सोशल कॉज फ्रॉम पैज पीपल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार नौटियाल ने जानकारी दी कि इस अभियान में यात्रा दल गौरीकुंड से केदारनाथ धाम के मध्य पर्यावरण संरक्षण एवं तीर्थ स्थानों में स्वच्छता के लिए जन जागरण अभियान के साथ–साथ स्वच्छता अभियान चलायेगी। यात्रा दल 15 जून को देहरादून से चलकर गौरीकुंड में विश्राम करेगा और अगले दिन से पर्यावरण संरक्षण एवं तीर्थ स्थानों की स्वच्छता हेतु जन जागरण अभियान के साथ–साथ गौरीकुंड से केदारनाथ धाम की यात्रा मार्ग पर स्वच्छता अभियान चलाएगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह भी उपस्थित थे।

-यूपीसीएल एमडी की कार के बोल्ट निकालने का प्रकरण-

पुलिस ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया

संवाददाता

देहरादून। यूपीसीएल के एमडी अनिल कुमार की कार के पहियों के बोल्ट निकालने के मामले को पुलिस ने गम्भीरता से लेते हुए अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि बीते 12 जून की शाम को उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड व पावर ट्रासमिशन कारापोरेशन आफ उत्तराखण्ड लिमिटेड के एमडी अनिल कुमार राजपुर रोड की तरफ जा रहे थे तभी वाहन में आवाजे आने लगी और थोडी दूरी पर जाने पर कार हिलने लगी तो अनिल कुमार ने कार रूकवा दी। कार की जांच की गयी तो पता चला कि किसी ने कार के पहियों के बोल्ट निकाल दिये थे तथा कार किसी भी समय दुघर्टनाग्रस्थ हो सकती थी। जिसक बाद मामले की गम्भीरता को देखते हुए कौलागढ निवासी अजय कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में इस मामले को लेकर तहरीर दे दी थी। आज पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने इस मामले को गम्भीरता से लेते हुए मामले में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेयजल समस्या को लेकर मंत्री ने अधिकारियो को दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। कृषि म्रंत्री गणेश जोशी ने मसूरी में हो रही पेयजल समस्या को लेकर अधिकारियों की बैठक लेकर उनको जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा के वार्ड संख्या ६ दून विहार, चिड़ोवाली, कैनाल रोड, धारण, संतला देवी, जैंतनवाला, मसूरी व अन्य क्षेत्रों में पेयजल तथा सीवर से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु पेयजल निगम तथा जलसंस्थान के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। अधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री को अवगत कराया कि दून विहार में पेयजल की समस्या का तत्काल निदान हो जाएगा क्योंकि वहां ओवरहेड टैंक से लाइन को जोड़ने का ही काम अवशेष है। काबीना मंत्री ने निर्देशित किया कि खुले में बह रहे सीवर अपशिष्ट को सीवर लाइन से कनेक्ट किया जाए। कंडोली तथा चिडोंवाली की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए अधिकारियों ने अवगत कराया कि, ट्यूबवेल निर्माण हेतु टेंडर की प्रक्रिया गतिमान है शीघ्र ही ट्यूबवेल स्थापित होने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। राजपुर क्षेत्र की पेयजल समस्या के समाधान के लिए कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि, शिखरफॉल जो कि पेयजल का स्रोत है पर स्थलीय निरीक्षण कर पृथक से पेयजल हेतु टैंक बनाया जाए। संतला देवी क्षेत्र की पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए स्रोत को पुनर्जीवित करने हेतु झील निर्माण का प्रस्ताव दिया गया। इसी प्रकार जैतनवाला में भी जल स्रोत के संवर्धन हेतु जल संचयन झील अथवा तालाब निर्माण का सुझाव दिया गया। कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कि आगामी मानसून प्रारंभ होने से पूर्व ही पेयजल की समस्या का समाधान कर लिया जाए। इस दौरान जलसंस्थान के मुख्य महाप्रबंधक एसके शर्मा, महाप्रबंध क नीलिमा गर्ग, मुख्य अभियंता जलनिगम एससी पंत, अधिशासी अभियंता मोनिका वर्मा, अधीक्षण अभियंता एससी सेमवाल, भाजपा मण्डल अध्यक्ष पूनम नौटियाल, पार्षद संजय नौटियाल, मंजीत रावत भी उपस्थित रहे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

कांग्रेस हेडक्वार्टर में हमारे नेताओं की एंट्री रोकना भारी पड़ेगा: गहलोत

जयपुर। राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ और दिल्ली में कांग्रेस नेताओं को पार्टी दफ्तर नहीं जाने देने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र और बीजेपी को फिर निशाने पर लिया है। गहलोत ने कहा धकि यह पहली बार हो रहा है कि कांग्रेस हेडक्वार्टर में हमारे नेताओं की एंट्री रोक दी गई है। इनकी इतनी हिम्मत कैसे हो रही है कि ये हमें हमारे नेताओं को हेडक्वार्टर में नहीं जाने दे रहे। यह दुस्साहस इन्हें भारी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पता नहीं दिल्ली पुलिस कमिश्नर को कौन गाइड कर रहा है कि कांग्रेस

हेडक्वार्टर पर एंट्री बंद करवा दी। इसका माकूल जवाब दिया जाएगा। गहलोत दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गहलोत ने कहा– देश का यह सीन काले अध्याय के रूप में लिखा जाएगा। एआईसीसी में हमारे महासचिव नहीं घुस सकते। देश के इतिहास में कभी किसी राजनीतिक दल के दफ्तर में आने से कभी किसी को नहीं रोका गया। हमारे नेता दिल्ली आ रहे हैं तो रास्ते में गिरफ्तार कर रहे हैं। हमने सीबीआई, सीबीडीटी, ईडी प्रमुखों से मिलने का वक्त मांगा, लेकिन मिलने का समय नहीं दिया।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को कोर्ट ने 22 जून तक पुलिस रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में आरोपी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को पंजाब की ट्रायल कोर्ट ने बुधवार सुबह २२ जून तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पंजाब पुलिस ने बिश्नोई को बुधवार तड़के करीब चार बजे मनसा कोर्ट में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया।

इससे पहले उसका मेडिकल टेस्ट करवाया गया था। पुलिस रिमांड हासिल करने के बाद, पूछताछ के लिए उसे भारी सुरक्षा के बीच मनसा से मोहाली में अपराध जांच एजेंसी (सीआईए) मुख्यालय में ले जाया जाएगा। बता दें कि, पुलिस ने कोर्ट से १० दिन की रिमांड मांगी लेकिन कोर्ट ने गैंगस्टर को सात दिन के लिए पुलिस रिमांड में भेज दिया है। एक दिन पहले दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने पंजाब पुलिस को बिश्नोई को मनसा कोर्ट ले जाने की इजाजत दी थी। बता दें कि, पुलिस ने कोर्ट से १० दिन की रिमांड मांगी लेकिन कोर्ट ने गैंगस्टर को सात दिन के लिए पुलिस रिमांड में भेज दिया है। एक दिन पहले दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने पंजाब पुलिस को बिश्नोई को मनसा कोर्ट ले जाने की इजाजत दी थी।

अग्निपथ स्कीम का विरोध: युवाओं ने कई स्थानों पर किया ट्रेन पर पथराव

पटना। सेना में भर्ती के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा श्अग्निपथ स्कीमश की घोषणा के बाद इसके खिलाफ आवाजें भी उठने लगी हैं। बिहार में बुधवार सुबह सेना भर्ती उम्मीदवारों की ओर से अग्निपथ स्कीम के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गया। मुजफ्फरपुर में कई युवा सड़कों पर उतरे तो वहीं बक्सर में ट्रेनों को रोके जाने और पत्थर फेंके जाने की भी खबरें आई हैं। पटना जा रही पाटलिपुत्र एक्सप्रेस पर पथराव किया गया। जबकि इस हंगामे की वजह से काशी पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस करीब १८ मिनट तक

प्लेटफॉर्म संख्या–१ पर रुकी रही। मुजफ्फरपुर में भी सेना भर्ती उम्मीदवार प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी कर रहे युवाओं ने मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन के पास चक्कर चौक पर जमकर हंगामा किया। चौक पर आग जलाकर रोड जाम कर दिया गया। इसके अलावा चक्कर मैदान के पास गोबरसही चौक पर भी प्रदर्शन किया गया। मुजफ्फरपुर के चक्कर मैदान में सेना की भर्ती के लिए रैली होती है। शहर के सदर थाना के पास भगवानपुर गोलम्बर पर भी बड़ी संख्या में युवकों के जुटने की खबरे हैं। यहां भी आग जलाकर एनएच २८ को जाम कर दिया गया है। इस बीच पुलिस और प्रशासन उन्हें समझाने और मामले को शांत करने में लगी थी।

मील का पत्थर साबित होगा अग्निपथ: बीएस चौधरी

विशेष संवाददाता

देहरादून। केंद्र सरकार द्वारा बीते कल लांच की गई अग्निपथ योजना देश की सुरक्षा में बड़े बदलाव लाएगी तथा युवाओं को सेना में सेवा देने का यह बेहतर और बड़ा अवसर होगा।

यह बात आज क्लेमनटाउन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान मेजर जनरल बीएस चौधरी ने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में हर क्षेत्र में बड़ी तेजी से बदलाव हो रहा है यह बदलाव देश की रक्षा जरूरतों को लेकर भी है। उन्होंने कहा कि अग्निपथ की योजना को बहुत सोच समझ कर लाया गया है इस पर कई साल काम किया गया है। इससे न सिर्फ युवाओं को देश सेवा और रोजगार के अवसर मिलेंगे

●देश की सुरक्षा में आएगा बड़ा बदलाव
●युवाओं के लिए सेना में सेवा का बेहतर मौका

बल्कि रक्षा जरूरतों के हिसाब से अग्निवीर सेना मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक एक ट्रेंड सोल्जर होगा जो अपना हर काम अनुशासित और बेहतर तरीके से कर सकेगा।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अग्निवीर के तौर पर स्थाई कैडर में शामिल किया जाएगा उन्हें ही नहीं जिन्हें 4 साल की सेवा में रखा जाएगा अग्निपथ उनके जीवन में भी बड़े बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा कि इससे देश के पास हर समय युवाओं की एक ट्रेंड फोर्स मौजूद रहेगी जिससे जरूरत के समय रिजर्व फौजी की तरह देश की रक्षा में लिया जा सकता है। तथा इसका सेवाकाल 4 साल होने के कारण हर साल बहुत अधिक लोगों को सेना में आने का मौका भी मिलेगा।

अग्निपथ योजना को लेकर जहां युवाओं में भारी उत्साह है वही सभी राज्य सरकारों द्वारा इसे प्राथमिकता दी जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार सहित कई राज्यों की सरकारों द्वारा इसे लेकर कहा गया है कि वह अग्निवीर के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले युवाओं को सरकारी नौकरियों में भी प्राथमिकता देंगे।

मारपीट में बाप-बेटे के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (सं)। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी प्राप्त जानकारी के अनुसार देवपुरम तुनवाला निवासी सूर्यमणी ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि एक जून को वह अपनी जमीन की देखभाल करने के लिए लच्छीवाला गया था जब वह अपने खेत की देखभाल कर रहा था तो अचानक मौके पर लखपतिया उसका बेटा गौतम एवं उसके भाई चार पाँच लोगो सहित अचानक मौके पर आये और उसको कहा कि यह जमीन उनकी है तू इस पर क्यों घूम रहा है इस पर जब उसने कहा कि यह जमीन उसकी है और उसका नाम कागजात में दर्ज चला आ रहा है तो इस पर इन सब ने एक साथ मिल कर उसपर हमला कर दिया और उसको लात घूसों एव डण्डो से बहुत मारा पीटा एंव उक्त मारपीट से उसके चेहरे पर आज तक सूजन आई हुई एव मेरी आख एवं इनकी मारपीट से कान में भी दर्द हो रहा है इन लोगो के पास लाठी डण्डे सरिया थे।

गृह मंत्री का फर्जी..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

सकें। इस मीडिया इंटरवेशंन सैल (एसएमआईसी) को एक पोस्ट प्राप्त हुई जिसमें गृह मंत्री के लैटर पैड पर एक सशंय पैदा करने वाला एक पत्र लिखा गया था। इस पत्र की प्रथमदृष्टया जांच के उपरान्त प्रतीत होता है की गृह मंत्री भारत सरकार के पत्र का रुपांतरण कर इस प्रकार से समाज मे कानून व्यवस्था बाधित करने हेतु भ्रामक सूचना प्रसारित की गयी है। एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा सुसगंत धाराओ मे अभियोग पजींकृत करने की कार्यवाही प्राम्भ की गयी है साथ ही अपील की गई है की भ्रामक खबर की बिना सत्यता जाने कोई भी पोस्ट सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार न करें।

सीआईएसएफ का अधिकारी बन लाखों रूपये की ठगी करने वाला एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। सीआईएसएफ का अधिकारी बनकर मकान किराये पर लेने का झासा देकर साढे बारह लाख रूपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को एसटीएफ ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को एक प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ जिसमें लवीना कुकरेजा पत्नि हरगोपाल कुकरेजा निवासी मित्र लोक कालोनी बल्लूपुर रोड के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्वंय को सीआईएसएफ में बताकर मकान को किराये पर लेने व पैसे ऑनलाईन भेजने की बात कहकर अन्य व्यक्ति से पीडिता को कॉल करवाकर स्वंय को सेना कार्यालय से बताते हुए पीडिता से धोखाधड़ी कर पैसे भेजने के नाम पर विभिन्न खातों से अलग-अलग किश्तों में कुल बारह लाख छियालिस हजार रुपये की धनराशि धोखाधड़ी से विभिन्न बैक खातो में प्राप्त करने साईबर क्राईम थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच में घटना में मोबाईल नम्बर व खातों की जानकारी से ठगों का राजस्थान से सम्बन्ध होना पाया गया जिसमें टीम को राजस्थान व अन्य सम्भावित राज्यो में रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से ठगों द्वारा पीडिता को जो खाता संख्या व मोबाईल नम्बर दिये थे व धोखाधडी से प्राप्त धनराशि के खाताधारक की जानकारी प्राप्त की गयी।

उक्त खाते का खाताधारक के सम्बन्ध में साक्ष्य एकत्रित करते हुये एक आरोपी मौहम्मद शरीफ पुत्र महबूब निवासी ग्राम कल्याण पुर थाना खो जिला भरतपुर राजस्थान को जनपद डिंग राजस्थान से गिरफ्तार करते हुये घटना में प्रयुक्त मोबाईल फोन, धनराशि व अन्य सामान को बरामद किया गया। एसटीएफ ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नाबालिग से दुष्कर्म में दो नामजद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले मे दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी महिला ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाला विश्वनाथ पण्डित उसकी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया तथा अपने साथी अविनाश के साथ मिलकर उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया तथा उसकी बेटी को किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।